



STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

नैतिक आवाज, लखनऊ

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

नैतिक आवाज ब्यूरो

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आनंदाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं।

क्योंकि भारत गांवों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गांवों में रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गांवों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो० सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय : प्रो० आरपी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊके संयुक्त संयोजन में ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का षि प्रधान देश है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आरपी

सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजी-डीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ० हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

ਤਰੁਣ ਪ੍ਰਵਾਹ, ਲਖਨਊ

ਦਿਨਾਂਕ: 07 ਜੁਲਾਈ, 2021

ਪੁ਷ਟ ਸੰਖਿਆ: 05

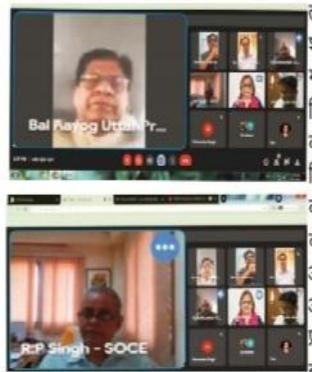
ਝੱਗ੍ਨੂ ਕੇ ਗ੍ਰਾਮੀਣ ਵਿਕਾਸ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਸ਼ਹਿਰੋਂ ਕੀ ਔਰ ਪਲਾਯਨ ਕੋ ਰੋਕਨੇ ਮੌਜੂਦ ਮਿਲੇਹੀ

ਝੱਗ੍ਨੂ ਕੇ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਉਚਚਤਰੀਧ ਔਰ ਗੁਣਕਤਾ ਪਰਕ: ਨਿਦੇਸ਼ਕ ਪ੍ਰੋਗ ਆਰਪੀ ਸਿੰਘ

ਸੰਖੇਪ ਸ਼੍ਰੀਵਾਸਤਵ
ਅਧੀਕਾਰੀ (ਤਰੁਣ ਪ੍ਰਵਾਹ)। ਡੌਨ
ਰਾਮਨੌਹਰ ਲੋਹਿਆ ਅਧਿਕ
ਵਿਦਾਵਿਦਾਲਾਲ ਕੇ ਝੱਗ੍ਨੂ ਅਧੀਕਨ
ਕੇਂਦਰ ਏਂ ਇੰਦੀਰਾ ਗਾਂਧੀ ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਧ
ਮੁਕਤ ਵਿਵਿ. ਕ੍ਰਿਤੀ ਕੇਨਦਰ ਲਖਨਊ
ਤਥਾ ਨੇਤਾਜੀ ਸੁਭਾ਷ ਚੰਦ ਬੋਸ
ਰਾਜਕੀਧ ਮਹਿਲਾ ਮਹਾਵਿਦਾਲਾਲ
ਅਲੀਗੰਜ ਲਖਨਊ ਕੇ ਸੰਧੁਕਤ
ਸੱਧੋਜਨ ਮੈਂ ਗ੍ਰਾਮੀਣ ਵਿਕਾਸ
ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਕੇ ਤਹਤ ਡਿਪਲੋਮਾ ਏਂ
ਸਨਾਤਕ ਕੇ ਪ੍ਰੇਸ਼ਿਤ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੋ
ਗ੍ਰਾਮੀਣ ਵਿਕਾਸ ਔਰ ਰੋਜਗਾਰ
ਵਿਧ ਪਰ ਜਾਨਕਾਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨੇ
ਕੇ ਉਦੇਸ਼ ਸੇ ਆਂਨਲਾਈਨ
ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕੀ ਆਧੀਜਨ ਕਿਯਾ
ਗਿਆ। ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕੀ ਅਧੀਕਤਾ

ਕਰਤੇ ਹੋਏ ਉਤਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਬਾਲ ਸਨਾਤਕ ਆਧੀਜਨ ਆਧੀਜਨ ਕੇ ਅਧੀਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼

ਮਹਾਮਾਰੀ ਕੇ ਦੌਰਾਨ ਡਿਜਿਟਲ ਸਿੱਖਿਆ ਕੋ ਬਢਾਵਾ ਮਿਲਾ ਹੈ। ਅਮੀਂ ਤਕ ਵਿਕਾਸ ਕੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿਖੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਥੇ ਗਾਵਾਂ ਕੀ ਆਰ ਲੇ ਜਾਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਹਮ ਸਮੀਂ ਕਟਿਬਦ਼ ਹਾਂ ਕਿਸੋਂ ਭਾਰਤ ਗਾਵਾਂ ਕੀ ਕ੃ਪਿ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦੇਸ਼ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂਨੇ ਕਹਾ ਕੀ ਆਜਾਦੀ ਕੇ ਸਮਧ ਦੇਸ਼ ਕੀ ਨਵੇਂ ਫੀਸਦੀ ਆਵਾਦੀ ਗਾਵਾਂ ਮੇਂ ਰਹਤੀ ਥੀਂ ਅੰਤ ਆਜ ਮੀ ਸਤਰ ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਤ ਭਾਰਤ ਗਾਵਾਂ ਮੇਂ ਵਸਤਾ ਹੈ। ਝੱਗ੍ਨੂ ਦ੍ਰਾਰਾ ਕੁਮਾਰ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਕਹਾ ਕੀ ਗੱਵ ਕੇ ਗ੍ਰਾਮੀਣ ਵਿਕਾਸ ਕਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਪ੍ਰਾਕ੃ਤਿਕ ਵਾਤਾਵਰਣ ਮੇਂ ਰੋਜਗਾਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨੇ ਸੇ ਸ਼ਹਿਰੋਂ ਕੀ ਓਰ ਕੀ ਬਡੀ ਸਮਾਵਨਾਏਂ ਹਨ। ਕੋਵਿਡ ਪਲਾਯਨ ਰੋਕਨੇ ਮੌਜੂਦ ਮਦਦ



ਮਿਲੇਹੀ ਕਾਰਧਸ਼ਾਲਾ ਕੇ ਸੁਖ ਵਕਾ ਪ੍ਰਮੁਖ ਸ਼ਿਕਾਇਦ ਸਮਾਜਸ਼ਾਸ਼ੀ ਏਂ ਝੱਗ੍ਨੂ ਕੇ ਸਕੂਲ ਆਫ ਕਾਂਟੀਨੂੰਗ ਸ਼ਹਰੋਨਮੁਖੀ ਰਹੀ ਹੈ ਜਿਥੇ ਗਾਵਾਂ ਕੀ ਆਰ ਲੇ ਜਾਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਹਮ ਸਮੀਂ ਕਟਿਬਦ਼ ਹਾਂ ਕਿਸੋਂ ਭਾਰਤ ਗਾਵਾਂ ਕੀ ਕ੃ਪਿ ਪ੍ਰਧਾਨ ਦੇਸ਼ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂਨੇ ਕਹਾ ਕੀ ਆਜਾਦੀ ਕੇ ਸਮਧ ਦੇਸ਼ ਕੀ ਨਵੇਂ ਫੀਸਦੀ ਆਵਾਦੀ ਗਾਵਾਂ ਮੇਂ ਰਹਤੀ ਥੀਂ ਅੰਤ ਆਜ ਮੀ ਸਤਰ ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਤ ਭਾਰਤ ਗਾਵਾਂ ਮੇਂ ਵਸਤਾ ਹੈ। ਝੱਗ੍ਨੂ ਦ੍ਰਾਰਾ ਕੁਮਾਰ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਕਹਾ ਕੀ ਗੱਵ ਕੇ ਗ੍ਰਾਮੀਣ ਵਿਕਾਸ ਕਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਪ੍ਰਾਕ੃ਤਿਕ ਵਾਤਾਵਰਣ ਮੇਂ ਰੋਜਗਾਰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨੇ ਸੇ ਸ਼ਹਿਰੋਂ ਕੀ ਓਰ ਕੀ ਬਡੀ ਸਮਾਵਨਾਏਂ ਹਨ। ਕੋਵਿਡ ਪਲਾਯਨ ਰੋਕਨੇ ਮੌਜੂਦ ਮਦਦ

ਸਮੀਂ ਅਤਿਥਿਆਂ ਔਰ ਪ੍ਰਤਿਆਗਿਆਂ ਕਾ ਸਥਾਗਤ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਕਿਹੜਾ ਕਿ ਝੱਗ੍ਨੂ ਕਾ ਉਦੇਸ਼ ਵਿਦਾਇਥਿਆਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚਨਾ ਹੈ। ਝੱਗ੍ਨੂ ਅਧੀਕਨ ਕੇਂਦਰ, ਅਕਥ ਵਿਦਾਵਿਦਾਲਾਲ ਕੇ ਸਮਨਵਕ ਡੌਨ ਹਿਮਾਂਸੁ ਸ਼ੇਖਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਗ੍ਰਾਮੀਣ ਵਿਕਾਸ ਸੇ ਸਮਾਵਿਤ ਝੱਗ੍ਨੂ ਦ੍ਰਾਰਾ ਚਲਾਵੇ ਜਾ ਰਹੇ ਵਿਭਿਨਨ ਪਾਠਕ੍ਰਮਾਂ ਕੀ ਵਿਸ਼ਾਤ ਸੇ ਚੰਚਾ ਕੀ। ਉਨ੍ਹਾਂਨੇ ਕਹਾ ਕੀ ਝੱਗ੍ਨੂ ਕੇ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਉਚਚਤਰੀਧ ਔਰ ਗੁਣਕਤਾ ਪਰਕ ਹੈ। ਇਸਕੇ ਦ੍ਰਾਰਾ ਏਮਏਆਰਡੀ, ਸੀਆਰਡੀ, ਤਥਾ ਪੀਜੀਡੀਆਰਡੀ ਜੈਂਸ ਕੌਰਜ ਜਨਵਰੀ ਸੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕਿਹੜੇ ਗਿਆ ਹੈ। ਪ੍ਰੋਗ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕ੍ਰਿਤੀ ਕੇਨਦਰ ਵਿਕਾਸ ਸਿੰਘ ਨੇ ਸੰਚਾਲਨ ਕਰਤੇ ਹੁਏ ਅਤਿਥਿਆਂ ਕੀ ਪਰਿਚਾ ਕਰਾਵਾ ਤਥਾ ਵਿਦਾਇਥਿਆਂ ਕੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਕਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਜ਼ਿਆਂ ਦ੍ਰਾਰਾ ਸਮਾਧਾਨ ਕਿਯਾ। ਇਸ ਅਵਸਰ ਪਰ ਬਡੀ ਸੰਖਾ ਪ੍ਰਤਿਆਗਿਆਂ ਆਂਨਲਾਈਨ ਜੁੜੇ ਰਹੇ।

तरुणमित्र, अयोध्या

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 08

माधवपुर ग्राम में महिला अध्ययन केन्द्र व एकिटिविटी क्लब द्वारा किया गया पौधरोपण

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र एवं एकिटिविटी क्लब द्वारा 5 जुलाई को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम पंचायत माधवपुर मसौधा में सघन पौधरोपण किया गया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा निर्देशित विस्तार गतिविधि के तहत अविवि के कुलपति प्रो। रविशंकर सिंह के निर्देश पर महिला अध्ययन केंद्र एवं एकिटिविटी क्लब ने कोविड 19 के प्रोटोकॉल में नीम, पीपल, बरगद आंवला, आम एवं अमरुद का वृक्षरोपण किया। विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने बताया कि हमारे देश में जहां पौधरोपण का कार्य किया जाता है वही इन्हें पूजा भी जाता है। कई ऐसे वृक्ष हैं, जिन्हें हमारे हिंदू धर्म में ईश्वर का निवास स्थान माना जाता है। धर्म शास्त्रों में हमेशा वृक्षों की महिमा की कहानियां सुनने को मिलती हैं। जिन वृक्ष की हम पूजा करते हैं वे औषधीय गुणों का भंडार भी होते हैं, जो हमारी सेहत को बरकरार रखने में मददगार सिद्ध



होते हैं। इसी क्रम में एकिटिविटी क्लब के डायरेक्टर डॉ। मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि पर्यावरण को बचाए रखने के लिए पेड़ लगाना बेहद जरूरी है।

चौकी इन्जर्ज ने बीमार गोवंश का कराया उपचार



भारत कनेक्ट, लखनऊ

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 07

झग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

○ झग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय
और गुणवत्ता परक : निदेशक प्रो०
आरपी सिंह

भारत कनेक्ट संवाददाता

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं।

कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गाँवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गाँवों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गाँवों में रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गाँवों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं।

जनसंदेश टाइम्स, लखनऊ

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 07

इन्होंने ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के इन्होंने अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी

तक विकास की दिशा शहरोंमुखी रही है जिसे गाँवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गाँवों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गाँवों में रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गाँवों में बसता है। इन्होंने द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इन्होंने के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इन्होंने द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन्होंने के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा

पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो० सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इन्होंने क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इन्होंने का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इन्होंने अध्ययन केंद्र, अवधि विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ० हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इन्होंने द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इन्होंने क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी आंनलाइन जुड़े रहे।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 05

इन्हन् के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक: आरपी सिंह

ग्राम्यवार्ता संबाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के इन्हन् अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक

विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों में रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इन्हन् द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इन्हन् के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इन्हन् द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन्हन् के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं।

स्वदेश प्रकाश, अयोध्या

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 05

स्वदेश प्रकाश

अयोध्या समाचार

5

इन्हन् के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों कीओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इन्हन् के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्तापरक : निदेशक प्रो० आरपी सिंह

अयोध्या। ३०० सामग्रोहर लोहिया अकाव विश्वविद्यालय केंद्रान् ३०० यायन बोड एवं इन्हिंश गौंथी राष्ट्रीय मूल्य विवि, शोधीयकेन्द्र लखनऊ तथा नेहाजी सुभाष बंद बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज ०८ जुलाई, २०२१ को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रविशित छात्रोंको प्राथमिक विकासऔर रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य सेंगलाल्हान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अवधारणा करते हुए उत्तर प्रदेश वालसंरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा किंवित के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बढ़ी सम्भावनाएँ। कोपिड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावामिला

है। अभी तक विकास की दिक्षा शहरोंमुखी रही है जिसेगांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिवद हैं क्योंकिमारत गांवों का

गांवों में बसता है। इन्हन् द्वारामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओरतलायन लेने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य

विकास से सम्बद्ध इन्हन् द्वारा चलायेता रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंनेशहर में इन्हन् के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय

क्षेत्रीय केन्द्रस्तरक द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इन्हन् विशेषज्ञ निदेशक डॉ० मोरम विंह ने सभी अधिकिकोउठेतलिमिगीयों का स्वागत करते हुये कहा कि इन्हन् का उत्तरविद्यार्थियों तक पहुँचना है। इन्हन् अव्ययन केंद्र, अकावविश्वविद्यालय के सम्बन्धक डॉ० हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीणविकास से सम्बद्ध इन्हन् द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इन्हन् क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम विंह नेस्तराल्लन करते हुये अतिथियों का परिवद्य कराया तथाविद्यार्थियों के प्रश्नों का प्रश्नज्ञोदात समाप्त किया। इसप्रबन्ध पर बड़ी संतुष्ट प्रतिक्रिया अङ्गलाल्लन जुड़े रहे।



कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादीके समय देश की नव्ये फीसदी आवादी गांवों में रहती थीं औरआज भी सतर प्रतिशत भारत

वक्ता प्रमुखा शिक्षाविद् समाजशास्त्रीय इन्हन् के स्वत्व आक काटीनुइंग एटुकेहन के निदेशक प्रो० आरपी सिंह ने ग्रामीण

और गुणवत्ता परक है। इसके द्वारा एमएआरटी, सीआरठी, तथा पीजीटीआरटी जैसेकोसं जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो० सिंह ने

मखौड़ा संदेश, अयोध्या

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 04

ती, बुधवार 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ : 4

इन्हूं के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इन्हूं के पाठ्यक्रम उच्चरस्तरीय और गुणवत्ता परक: निदेशक प्रो० आरपी सिंह

मखौड़ा संदेश संवाददाता।

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के इन्हूं अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग

के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गांवों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गांवों में रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गांवों में बसता है। इन्हूं द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख

शिक्षाविद समाजशास्त्री एवं इन्हूं के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इन्हूं द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन्हूं के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो० सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इन्हूं की क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इन्हूं का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना

है। इन्हूं अध्ययन केंद्र, अवधि

विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ०

हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास

से सम्बंधित इन्हूं द्वारा चलाये जा

रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित

होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया।

कार्यशाला में इन्हूं क्षेत्रीय निदेशक

डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन

करते हुये अतिथियों का परिचय कराया

तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों

द्वारा समाधान किया। इस अवसर

पर बड़ी संख्या प्रतिभागी आंनलाइन

जुड़े रहे।

मखौड़ा संदेश

हिन्दी दैनिक

वॉयस ऑफ मूवमेंट, अयोध्या

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 02

इनू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम से शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इनू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय
और गुणवत्ता परक: निदेशक
प्रो आरपी सिंह
जिला संवाददाता

अधोध्या। डॉ रामननोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के इनू अध्ययन केंद्र एवं इन्स्टिट्यूट गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेतृत्वी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगढ़ लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिलोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाइन

कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अवधिकारी करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गांव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कॉविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अपनी तक विकास की दिशा शहरों-मुख्य रूपी है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कठिनाई हैं क्योंकि भारत गांवों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नव्ये फौसली आवादी गांवों में रहती थीं औ आज भी सतर प्रतिशत भारत गांवों में बसता है। इनू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजवादी एवं इनू के स्कूल आफ कंटीनुइंश एडुकेशन के निदेशक प्रो। और पी. सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इनू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इनू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवारी से शुरू किये गये हैं। प्रो। सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयोगों की सराहना की। इनू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ। मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इनू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इनू अध्ययन केंद्र, अवधि विश्वविद्यालय के समन्वयक

डॉ। इमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इनू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इनू क्षेत्रीय निदेशक डॉ। कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का पर्यावरण कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाप्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी अंनलाइन जुड़े रहे।

सण महिला महानगर अध्यक्ष

सरोज यादव में पूर्णवरण
संवर्धन में किया पौधरोपण

अधोध्या। समाजवादी पार्टी की महिला महानगर अध्यक्ष सरोज यादव ने पर्यावरण कार्यविधान में आज ग्रामीणों के साथ ग्रामीणांचल में पौधरोपण अभियान चलाया।

श्रीमती सरोज यादव ने समाजवादी पार्टी की महिला कार्यकर्ता व अन्य के साथ भलिकपुर ग्राम सभा में पौधरोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि अधिक से अधिक वृक्ष लानाकर पृथ्वी को हरा भरा और और्जाजीन युक्त बनाएं। उन्हें आम जनमानस का आवाहन करते हुए कहा की हम सभी की जिम्मेदारी है कि वृक्ष लगाकर पर्यावरण को बचाएं उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा समर्कार में पेड़ लाने का काम कम हो रहा है औ काटने का काम ज्यादा किया जा रहा है। ऐसे में सभी की जिम्मेदारी है कि जहां भी हो पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का काम करें।

अवधनामा, लखनऊ

दिनांक: 07 जुलाई, 2021

पृष्ठ संख्या: 07

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

अवधनामा संचाददाता

अयोध्या। डॉ० राममनोहर
लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के इग्नू
अध्ययन केंद्र एवं इन्द्रिगाँधी राष्ट्रीय
मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ
तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस
राजकीय महिला महाविद्यालय
अलीगंज लखनऊ के संयुक्त
संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021
को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के
तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के
प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास
और रोजगार विषय पर जानकारी
प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन
कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते
हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग
के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा
कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में
रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं।
कोविड महामारी के दौरान डिजिटल

शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक
विकास की दिशा शहरोंमुखी रही है
जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए
हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत
गांवों का कृषि प्रधान देश है।

उन्होंने कहा कि आजादी के समय
देश की नब्बे फीसदी आबादी गांवों
में रहती थीं और आज भी सत्तर
प्रतिशत भारत गांवों में बसता है। इग्नू
द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम
शुरू करने से शहरों की ओर पलायन
रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख
शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के
स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के
निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण
विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा
चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की
विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि
इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और
गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा
एमएआरडी, सीआरडी, तथा

पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से
शुरू किये गये हैं। प्रो० सिंह ने क्षेत्रीय
केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे
प्रयासों की सराहना की।

इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ०
मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और
प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये
कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों
तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र,
अवधि विश्वविद्यालय के समन्वयक
डॉ० हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण
विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा
चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से
लाभान्वित होने के लिए छात्रों को
प्रेरित किया।

कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक
डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन
करते हुये अतिथियों का परिचय
कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का
विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस
अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी
आंनलाइन जुड़े रहे।